Criteria-IV

4.1.2

Cultural Activities, Sports and Gymnasium

"एक भारत श्रेष्ठ भारत"
विश्वविद्यालय स्तरीय कार्यक्रम
बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल
5 अगस्त 2017

शासकीय हमीदिया कला
महाविद्यालय, भोप

शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय

ADIDAS

EXIT

भौतिक आवश्यकता ही जीवन का उद्देश्य नहीं:डॉ. जैन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बुधवार को शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग मप्र शासन के निर्देशानुसार महात्मा गांधी के मितव्ययिता से संबंधित विचारों की प्रासंगिकता विषय पर संगोष्ठी एवं स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम में अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. पीके जैन ने कहा कि भौतिक आवश्यकता ही जीवन का उद्देश्य नहीं है, महात्मा गांधी भौतिकता के साथ-साथ आध्यात्मिकता के अस्तित्व को भी स्वीकार करते थे। सादा जीवन- उच्च विचार आज के समय की आवश्यकता है। प्रतियोगिता में निर्णायक डॉ. धर्मेन्द्र पारे ने कहा कि गांधी के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। गांधी आचरण की सभ्यता के व्यक्तित्व के धनी हैं। उन्होंने छात्रों से कहा कि गांधी ने मप्र के जिन स्थानों की यात्रा की है उन स्थानों पर भ्रमण अवश्य करना चाहिए। डॉ. शरद तिवारी ने भी इस विषय पर अपने विचार रखें।

होलिका दहन में हो गो-काष्ठ का उपयोग

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में हमीदिया कॉलेज में होलिका दहन को लेकर आयोजित परिचर्चा में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. योगेन्द्र कुमार सक्सेना ने पर्यावरण एवं पेड़ों का महत्व बताते हुए कहा कि होली के पर्व के अवसर पर होलिका दहन में लकड़ियों की जगह गोबर से बनी हुई गौ-काष्ठ का उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी परंपरा अनुसार भारतीय संस्कृति में हर घरों में गोबर से बने हुए कंडो से ही होलिका दहन किया जाता है। इस अवसर पर आईआईटी दिल्ली से हर्षवर्धन,यश,गो-काष्ठ समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण चौधरी सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया।

भारत
श्रेष्ठ भारत

हमीदिया कॉलेज के वार्षिक उत्सव का समापन

वेशभूषा से स्टूडेंट्स ने दिया राष्ट्रीय एकता का संदेश

भोपाल ◆ हमीदिया कॉलेज में वार्षिक उत्सव का समापन गुरुवार को किया गया। इस दौरान एकल, समूह गायन, रंगोली तथा पारम्परिक परिधान प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। एक भारत-श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना पर आधारित परिधान प्रतियोगिता में स्टूडेंट्स ने कई प्रान्तों के परिधान धारण कर प्रतियोगिता में भाग लिया। साथ ही राष्ट्रीय एकता का परिचय दिया। छात्रों ने रंगोली में कल्पनाशीलता और सृजनात्मक कौशल का प्रदर्शन किया। जजेस ने स्टूडेंट्स की कला और प्रतिभा को देखकर उन्हें पुरस्कृत किया।

District-level symposium held at Hamidia College

Group photo of the teachers and participants at the symposium on Thursday.

■ **Staff reporter**

A DISTRICT-LEVEL symposium on 'Role of Panchayti Raj in the reinforcement of Democracy' was organised at Hamidia College of Arts and Commerce, as per the instructed by the Higher Education Department, Madhya Pradesh. Total 16 students of 6 different colleges took part in the competition. Dr Vinod Kuar Katare and Dr Meeta Verma were the jury members of the competition. Winner to the competition, Shubham Chouhan said, "The concept of Panchayti Raj is way much older than our struggle for democracy.

Gandhiji believed that the true soul of India lies within its villages, and knew that if there will be a system of complete Panchayti Raj then there all the villages will have the right of full governance and become self dependent. Around 70% of the Indian population still lives in villages, and 2.5 lakh panchayats are functional in the country for its development. Panchayat has the right to take decision akin to a micro-cabinet, of their local area. Anjali Dadoriya of Maharani Laxmibai, who came 2nd, laid emphasis on decentralization of the administration at national level, in her speech. Ashutosh Malviya of Hamidia College along with Vartika Parwale of Satya Sai came third. HOD (Hindi) Dr. Mridula Nigam, HOD(Political Science) Dr Sona Shukla and other senior faculty were present on the occasion.

महाविद्या
उच्च शिक्षा विभाग

महाविद्यालय, भोपाल
म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग
योग प्रतियोगिता

Allegro